दैनिक भास्कर

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

रविवार, 20 सितंबर, 2015, भाद्रपद शुक्ल पक्ष-7, 2072

GWALIOR, SUNDAY, 20/09/2015

संगीत की महफिल में सुरों की अठखेलियां

पं.विष्णु नारायण भातखंडे की स्मृति में शहर के कॉलेज और यूनिवर्सिटी में कई प्रोग्राम हुए।

MUSICAL PROGRAM

संस्कृत नाटक से रूबरू

पीढ़ के बोल न पर्याहा

2015

दैनिक भास्कर

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

इंदौर सोमवार, 10 अगस्त, 2015, श्रावण कृष्ण पक्ष-11, 2072

city भास्कर

ज्यूं की त्यूं धर दीनी चदरिया...

A TRIBUTE

चौरसिया बहनों ने बांधा समां

plus रिपोर्टर
gwaliorplus@patrika.com

संस्कृति संचालनालय के तत्वावधान में पं.विष्णु नारायण भातखंडे के स्मृति में शनिवार को संगीत प्रसंग का आयोजन शासकीय माधव संगीत महाविद्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इंदौर से आई गायिका डॉ.आभा चौरसिया और विभा चौरसिया शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। उन्होंने सबसे पहले राग भारवबिहाग में विलंबित व मध्यलय की रचना प्रस्तुत की। इसके बाद राग कलावती सुनाया। इस दौरान तबले पर डॉ.विनय बिंदे व हार्मोनियम पर विवेक जैन ने संगत किया। कार्यक्रम का पूर्व कुलसचिव डॉ.डीएस चंदेल,प्रो.पीएल गोहदकर, मधुसुदन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

patrika Sun, 20 September 2015
epaper.patrika.com/c/6625668

• अपना शहर • सिटीलाइव

पं. विष्णु नारायण भातखंडे की स्मृति में सजी सुरों की महफिल और वक्ताओं ने रखे विचार

रसिकों ने किया संगीत का रसास्वादन

चौरसिया बहनों की प्रस्तुति

ठुमरी ने भरा आनंद से मन

पहले हुआ गायन

♦ Indore ♦ Bhopal ♦ Ujjain ♦ Mumbai ♦ Pune

FREE PRESS

www.freepressjournal.in

12 CITY JOURNAL

Abha - Vibha Chaurasia performing at Press Club in programme organised in memory of Mahendra Bhaiya.

मैफलीत रसिक मंत्रमुग्ध

म. टा. प्रतिनिधी, मुंबई

महाराष्ट्र टाइम्स

अल्लादिया खान संगीत महोत्सव

2015

www.naidunia.com
नईदुनिया
इंदौर, भोपाल (नवदुनिया), जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर, बिलासपुर और दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय संस्करण) से एकसाथ प्रकाशित

पं. विष्णु नारायण भातखंडे की स्मृति में सजी सुरों की महफिल

ग्वालियर। भारत में गुरु शिष्य की परंपरा को जन्म देने वाले पंडित विष्णु नारायण भातखंडे को शनिवार के दिन शास्त्रीय संगीत और व्याख्यानों से याद किया गया। पंडित जी की याद में माधव संगीत महाविद्यालय, केआरजी कॉलेज और राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में सुबह से शाम तक कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने बताया कि पंडित जी ने संगीत की दुनिया को आगे बढ़ाने के लिए रागों पर आधारित प्रारंभिक 6 पुस्तकें लिखीं। साथ ही हमारे शहर में माधव संगीत महाविद्यालय की स्थापना की। इस मौके पर पंडित जी के जीवन से जुड़े कुछ सवाल भी युवाओं ने किए, जिनके उन्हें जवाब वक्ताओं ने दिए।

चौरसिया बहनों की प्रस्तुति

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार
दैनिक भास्कर
रविवार, 20 सितंबर, 2015, भाद्रपद शुक्ल पक्ष-7, 2072
GWALIOR, SUNDAY, 20/09/2015 02

• माधव म्यूजिक कॉलेज में प्रस्तुति देती कलाकार।

संगीत की महफिल में सुरों की अठखेलियां

पं.विष्णु नारायण भातखंडे की स्मृति में शहर के कॉलेज और यूनिवर्सिटी में कई प्रोग्राम हुए।

MUSICAL PROGRAM

सिटी रिपोर्टर • सभागार के बाहर गाड़ियों का शोर, वहीं सभागार के अंदर स्वर लहरियां मिश्री सी मिठास का अहसास करा रही थीं। शनिवार को पं.विष्णु नारायण भातखंडे स्मृति में संस्कृति संचालनालय के तत्वावधान में संगीत प्रसंग का आयोजन माधव म्यूजिक कॉलेज में किया गया। इसमें इंदौर से आईं गायिका डॉ.आभा-विभा चौरसिया ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। उन्होंने राग मारू बिहाग में विलंबित व मध्यलय को पेश किया। इसके बाद उन्होंने राग कलावती की पेशकश दी। इस अवसर पर अन्य लोग उपस्थित रहे।

संस्कृत नाटक से रूबरू

वर्तमान में संस्कृत नाटकों का महत्व काफी कम हो चुका है। सभ्यता और संस्कृति बचाए रखने के लिए युवाओं को इससे रूबरू कराना होगा। यह बात महेश चंपकलाल ने कही। वह राजा मानसिंह तोमर म्यूजिक यूनिवर्सिटी में पं.विष्णु नारायण भातखंडे की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

पीह के बोल न पपीहा

पं.विष्णु नारायण भातखंडे स्मृति में केआरजी कॉलेज में भी कार्यक्रम हुआ। इसमें उमेश कंपू वाले ने गुर्जरी तोड़ी और तीन ताल में सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद राग पीलू को पेश किया, जिसके बंदिश के बोल थे पीह के बोल न पपीहा...।

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार
twitter.com/PSamachar facebook.com/PEOPLESSAMACHAR1
इंदौर
सोमवार 10 अगस्त 2015
www.peoplessamachar.co.in
इंदौर, सोमवार 10 अगस्त 2015 05

महेन्द्र जोशी की याद में संगीतांजलि कार्यक्रम

वो फिर याद आए... बहुत याद आए....

सिटी रिपोर्टर • इंदौर

वो फिर याद आए... बहुत याद आए... कुछ इसी अंदाज में महेंद्र जोशी को याद किया गया। रविवार को महेंद्र जोशी मेमोरियल फाउंडेशन एवं पंचम निषाद संगीत संस्थान की ओर से होने वाले संगीतांजलि कार्यक्रम 'फिर याद आए हैं महेंद्र भैया' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शास्त्रीय गायिकाएं आभा व विभा चौरसिया द्वारा मंत्रमुग्ध कर देने वाली सुरीली प्रस्तुतियां दी गई। शास्त्रीय सुरों के ताने-बाने से इन्होंने कार्यक्रम को सुरमयी कर दिया। कार्यक्रम में तबले पर ... और हारमोनियम पर रचना शर्मा ने संगत की। कार्यक्रम संयोजक शोभा चौधरी ने बताया कि यह कार्यक्रम महेंद्र जोशी की यादों को ताजा करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

www.naidunia.com
नईदुनिया
इंदौर, भोपाल (नवदुनिया), जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर, बिलासपुर और दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय संस्करण) से एकसाथ प्रकाशित

प्रेस क्लब में आभा-विभा चौरसिया ने दी शास्त्रीय गायन और निर्गुणिया भजनों की प्रस्तुति

शास्त्रीय थाट पर भारी फकीराना ठाठ

इंदौर। रविवार सुबह प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम 'फिर याद आए हैं महेंद्र भैया' की शुरुआत आभा और विभा चौरसिया ने भले शास्त्रीय गायन से की मगर सबसे ज्यादा दाद बटोरी सभा के अंत में पेश की गई कबीर की निर्गुणी रचनाओं ने। 'झीनी-झीनी बीनी चदरिया, मन लागो मेरो यार फकीरी में' के बाद जब दोनों बहनों ने सभा का समापन भैरवी में निबद्ध पद 'कौन ठगवा नगरिया लूटल हो' से किया तब तक खचाखच भरे हॉल में मौजूद ज्यादातर श्रोता खरी-खरी कबीरवाणी को काफी हद तक आत्मसात कर चुके थे।

द्रुत लय की बंदिश से परवान चढ़ी महफिल

'महेंद्र जोशी मेमोरियल फाउंडेशन' और 'पंचम निषाद संगीत संस्थान' द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महेंद्र जोशी को सुरीली स्वरांजलि देने की शुरुआत राग मियां की तोड़ी में निबद्ध एक ताल की विलंबित लय की बंदिश से हुई। इस अद्भुत प्रस्तुति के रूप में चौरसिया बहनों ने अपने हुनर की बानगी पेश की। पूरी तरह लय में नहीं होने के बावजूद दोनों कलाकारों ने एक-दूसरे को अच्छी तरह कॉम्प्लीमेंट किया। युगल स्वरों में शास्त्रीय बंदिशों की प्रस्तुति के दौरान तालमेल में जरा सी ऊंच-नीच सुधि श्रोताओं को खटक जाती है मगर अच्छी बात ये रही कि दोनों बहनों ने सुनकारों को ऐसे मौके बहुत कम दिए। इसी राग में तीन ताल में निबद्ध द्रुत लय की बंदिश 'साजन मोरे घर आयो' से महफिल परवान चढ़ी। कमाल पेशकश के दौरान दोनों बहनों ने ऐसी खूबसूरत मुरकियां और तानें लीं कि संगीतमर्मज्ञ भी प्रफुल्लित हो गए।

सावनी रंगत लिए शास्त्रीय बंदिशों की पेशकश

सावन के महीने के मद्देनजर प्रोग्राम में ज्यादातर बंदिशें ऐसी ही चयनित की गईं जिनमें बरसात के मौसम की दिलफरेब खूबसूरती बयां हो रही थी। इसी तारतम्य में राग मल्हार में छोटा ख्याल 'घन गरजे घन बिजुरी चमके बरसे मेघ' की संक्षिप्त प्रस्तुति के बाद सावन में खासतौर पर गाई जाने वाली कजरी पेश की गई। उपशास्त्रीय शैली में दोनों बहनों द्वारा गाई गई कजरी 'रुमझुम-रुमझुम के बरसन लागी बदरिया' ने खूब दाद बटोरी। 'आयो सावन अति मन भावन झूम-झूम के सखियां गाएं कजरिया, गावत राग मल्हार सजीले झूला झुलावत है सुंदरियां' जैसे बोलों की तर्ज और अदायगी पर श्रोताओं का मन मयूर झूम उठा।

ऊर्जा का संचार कर गई रचनाएं

... के दौर में सावनी रंगत लिए शास्त्रीय बंदिशें और आध्यात्मिक भावों से सिंचित निर्गुणी रचनाएं सुनकारों के मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने में कामयाब रहीं। मर्मस्पर्शी सुरों के साथ शानदार संगत रचना शर्मा (हारमोनियम), लीना पाटनकर (तानपूरा) और संजय मंडलोई (तबला) ने की। कार्यक्रम का संचालन संजय पटेल ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार अभय छजलानी, समाजसेवी सुरेश सेठ, विनय वाके, गायिका शोभा चौधरी, अंजना तिवारी आदि मौजूद थे।

चौरसिया बहनों ने बांधा समां

plus रिपोर्टर
gwaliorplus@patrika.com

संस्कृति संचालनालय के तत्वावधान में पं.विष्णु नारायण भातखंडे के स्मृति में शनिवार को संगीत प्रसंग का आयोजन ... माधव संगीत महाविद्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इंदौर से आई गायिका डॉ.आभा चौरसिया और विभा चौरसिया शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। उन्होंने सबसे पहले राग मारूबिहाग में विलंबित व मध्यलय की रचना प्रस्तुत की। इसके बाद राग कलावती सुनाया। इस दौरान तबले पर डॉ.विनय बिंदे व हारमोनियम पर विवेक जैन ने संगत किया। कार्यक्रम का पूर्व कुलसचिव डॉ.डीएस चंदेल, प्रो.पीएल गोहदकर, मधुसूदन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

patrika Sun, 20 September 2015
epaper.patrika.com/c/6625668

2016

2016 ജൂലൈ 9 ശനി
KNR ജന്മഭൂമി

തുരീയം സംഗീതോത്സവത്തിൽ ചൗരസ്യ സഹോദരിമാർ സംഗീത കച്ചേരി അവതരിപ്പിക്കുന്നു

മനം മയക്കി ചൗരസ്യ സഹോദരിമാർ

പയ്യന്നൂർ: ഹിന്ദുസ്ഥാനി സംഗീതത്തിന്റെ മനം മയക്കുന്ന മാസ്മരികതയിലായിരുന്നു തുരീയം സംഗീതോത്സവത്തിന്റെ മുപ്പത്തിരണ്ടാം രാവ്. ഡോ. ആഭചൗരസ്യയും ഡോ. വിഭചൗരസ്യയും യുഗ്മ സ്വരത്തിലെ ഏക ഭാവം കണ്ടെത്തി സ്വരമാധുരി ചൊരിഞ്ഞപ്പോൾ മാരു ബിഹാഗിലും ബാഗേശ്രീയിലും മിയാമൽഹാറിലും കജരിയിലും മികച്ച സംഗീത കുസുമങ്ങൾ പരിമളം പരത്തി വിരിഞ്ഞു നിന്നു.

ഹാർമോണിയത്തിൽ ദേവേന്ദ്രദേശ്പാണ്ഡെയും തബലയിൽ പരാഗ് ഹിർവ്വെയും മികച്ച പിന്തുണ നൽകിയപ്പോൾ തുരീയം സംഗീതോത്സവത്തിലെ മികച്ച പ്രകടനങ്ങളിലൊന്നായി സംഗീത വിരുന്ന്. നാൽപത്തിയൊന്ന് നാൾ നീണ്ടു നിൽക്കുന്ന തുരീയം സംഗീതോത്സവത്തിൽ ഇന്ന് പട്ടാഭിരാമ പണ്ഡിറ്റ് സംഗീത കച്ചേരി അവതരിപ്പിക്കും. രാമാനുജ ചരലു (വയലിൻ) പത്രി സതീഷ് കുമാർ (മൃദംഗം) ഗിരിധർ ഉഡുപ്പ (ഘടം) എന്നിവർ പക്കമേളമൊരുക്കും.

തുരീയത്തിൽ ചൗരസ്യ സഹോദരിമാരായ ഡോ. ആഭ, ഡോ. വിഭ എന്നിവർ ഹിന്ദുസ്ഥാനി സംഗീതം ആലപിക്കുന്നു

ഹിന്ദുസ്ഥാനിയുടെ മാസ്മരികതയിൽ തുരീയം

പയ്യന്നൂർ: ഹിന്ദുസ്ഥാനി സംഗീതത്തിന്റെ അനർഗള പ്രവാഹത്തിൽ തുരീയം സംഗീതോത്സവ നഗരി അലിഞ്ഞുചേർന്നു. മാരു ബിഹാഗും മിയാമൽഹാറും കജരിയും രാഗങ്ങളായി സംഗീതത്തിന്റെ പ്രവാഹത്തിൽ ആസ്വാദകർ മതിമറന്നു. ചൗരസ്യ സഹോദരിമാരായ ഡോ.ആഭ ചൗരസ്യ, ഡോ.വിഭ ചൗരസ്യ എന്നിവരാണ് ഇന്നലെ തുരീയം സംഗീതോത്സവ നഗരി ധന്യമാക്കിയത്. ദേവേന്ദ്ര ദേശ്പാണ്ഡെ(ഹാർമോണിയം), പരാഗ ഹർവെ(തബല) എന്നിവർ പക്കമേളമൊരുക്കി. തുരീയത്തിന്റെ 33ാം ദിനമായ ഇന്ന് പട്ടാഭിരാമ പണ്ഡിറ്റിന്റെ കച്ചേരി അരങ്ങേറും.

SUPRABHATHAM 09-07-2016

തുരിയം സംഗിതോത്സവത്തിൽ ഡോ. ആഭചൗരസ്യയും ഡോ. വിഭചൗരസ്യയും ഹിന്ദുസ്ഥാനി സംഗീതം അവതരിപ്പിക്കുന്നു

തുരീയം സംഗീതോത്സവം: ഇന്ന് പട്ടാഭിരാമ പണ്ഡിറ്റ് പാടും

പയ്യന്നൂർ: തുരിയം സംഗിതോത്സവത്തിൻറ 32-ാം ദിവസമായ വെള്ളിയാഴ്ച ഡോ. ആഭ ചൗരസ്യയും ഡോ. വിഭചൗരസ്യയും ചേർന്ന് ഹിന്ദുസ്ഥാനി സംഗീതം അവതരിപ്പിച്ചു. ഹാർമോണിയത്തിൽ ദേവേന്ദ്ര ദേശ്പാണ്ഡെയും തബലയിൽ പരാഗ് ഹിർവെയും ഒപ്പം ചേർന്നു.

ശനിയാഴ്ച പട്ടാഭിരാമ പണ്ഡിറ്റ് പാടും. രാമാനുജ ചരലു (വയലിൻ), പത്രി സതിഷ് കുമാർ (മൃദംഗം), ഗിരിധർ ഉഡുപ്പ (ഘടം) എന്നിവർ പക്കമേളമൊരുക്കും.

Mathrubhumi 09-07-2016

city भास्कर

INDORE, THURSDAY, 27/04/2017

2017

डॉ. आभा और डॉ. विभा चीन में देंगी जुगलबंदी की प्रस्तुति

13वां मोजीआंग इंटरनेशनल ट्वीन्स फेस्टिवल में चीन गवर्नमेंट ने किया आमंत्रित

TALENT OUTREACH

सिटी रिपोर्टर • इंदौर की प्रख्यात शास्त्रीय गायिकाएं डॉ. आभा और डॉ. विभा चौरसिया चीन में होने वाले 13वें मोजीआंग इंटरनेशनल ट्वीन्स फेस्टिवल में जुगलबंदी प्रस्तुति देंगी। मोजीआंग में 30 अप्रैल से 3 मई तक होने वाले इस फेस्टिवल को चीनी सरकार करती है।

डॉ. आभा और विभा देश के कई शहरों में प्रस्तुतियां दे चुकी हैं। जुगलबंदी में इन्हें अवॉर्ड काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा प्राइड ऑफ मध्यप्रदेश सम्मान भी दिया चुका है। इन्होंने संगीत सम्राट अलादिया खां फेस्टिवल, मुंबई, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, लोक कला मंच, दिल्ली, इंडिया इंटरकॉन्टीनेंटल कल्चरल एसोसिएशन और प्राचीन कला केंद्र, चंडीगढ़, मानव संग्रहालय, जनजाति संग्रहालय, रवीन्द्र भवन, भोपाल, भातखंडे संगीत समारोह, ग्वालियर बाबा रामदास संगीत समारोह, जयपुर, धुरियाम संगीत समारोह, केरल में प्रस्तुतियां दी हैं।

नईदुनिया लाइव

इंदौर, गुरुवार 27 अप्रैल 2017

www.naidunia.com

डॉ. आभा और डॉ. विभा चीन में देंगी प्रस्तुति

इंदौर। शहर की ख्यात गायिका डॉ.आभा और डॉ. विभा चौरसिया चीन में शास्त्रीय गायन पेश करेंगी। चीन में होने वाले 13वें मोजी आंग इंटरनेशनल ट्वीन्स फेस्टिवल में ये कलाकार भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। 30 अप्रैल से 3 मई तक जारी रहने वाले आयोजन को चीन सरकार आयोजित कर रही हैं जहां इन्हें आमंत्रित किया गया है।

2018

शासकीय संगीत महाविद्यालय, मन्दसौर

की प्रस्तुति

21 जून 2018, गुरुवार
समय- सायं 7 बजे से...
स्थान- संजय गाँधी उद्यान, नई आबादी, मन्दसौर

सुश्री आभा, विभा चौरसिया
शास्त्रीय गायन (इन्दौर)

श्री श्याम अनन्त गुंजकर
शास्त्रीय गायन (नांदेड़)

निवेदिता पंड्या (खण्डेलवाल)
कथक नृत्य (इन्दौर)

विश्व योग एवं संगीत दिवस

शास्त्रीय गायन एवं कथक

मुख्य अतिथि
माननीय श्री मनोजकुमार सिंह
(IPS)
पुलिस अधिक्षक, मन्दसौर

डॉ. सुनील भट्ट
(प्राचार्य)
शासकीय संगीत महाविद्यालय, मन्दसौर

सौजन्य- संस्कृति संचालानालय, म.प्र. शासन

अभिव्यक्ति

दबंग 7

दबंग नारी

(डॉ.आभा चौरसिया, डॉ. विभा

2019

इंदौर, सोमवार, 10 फरवरी 2020 दबंग दुनिया2 सिटी एक्टिविटी 03

पं. केनजी ने राग झिंझोटी से वासन की दयार का दिया आभास

भारत-जापान की मैत्री को समर्पित संगीत संध्या

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

भारत-जापान की मैत्री को समर्पित संगीत संध्या स्वर सेतु का आयोजन शहर के एक सभागार में किया गया। शारदा संगीत कला अकादमी द्वारा आयोजित इस संगीत की सुरीली शाम की शुरुआत करते हुए डॉ. आभा चौरसिया और डॉ. विभा चौरसिया ने राग मारु बिहाग को सुरीले अंदाज में प्रस्तुत किया।

उन्होंने विलंबित एक ताल में रचना भरवा नाही आए और द्रुत बंदिश कल नाहि आए को भी संगीत की खूबसूरती के साथ प्रस्तुत किया। उनके साथ तबले पर संजय मंडलोई और हारमोनियम पर डॉ. रचना शर्मा ने बखूबी संगत की। चौरसिया बहनों ने कार्यक्रम का समापन झीनी-झीनी रे

चदरिया भजन से की। इसके बाद संगीत की इस सुरीली संध्या में जापान के खास सितारवादक पं. केनजी इनाव ने राग झिंझोटी प्रस्तुत कर वासन की दयार का आभास दे दिया। यहीं उन्होंने आलाप, झाला, जोड़ के साथ बड़ी ही खूबसूरती से झिंझोटी को सजाया। उन्होंने तंत्रकारी और लयकारी के अनुपम सामंजस्य से अपने वादन को सजाया। इसके साथ अंत में भारतीय और जापानी धुनों के मिश्रण से एक धुन बजाई। सुरों से परिपूर्ण इस संगीत को तानसेन श्रीवास्तव की सुगम तबला संगत ने और रसपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम का संचालन शहर के मशहूर रंगकर्मी संजय पटेल ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अरुण मोरोने और सतीश खानवलकर, कल्पना झोकरकर, शोभा चौधरी, अभिषेक गावड़े, ... विशेष रूप से मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत हेमंत शर्मा और रवि बाहता ने किया।

4

MUSIC EVENT
'Swar Setu' held

A music programme 'Swar Setu' was organised by Sharada Sangeet-Kala Academy at Press Club on Sunday. Sitar Player Kenji Inav from Japan student of Pt Mohan Banerjee and Pt Ajay Sinha Roy performed in the programme. Classical performaces were given by Abha Chourasiya and Vibha Chourasiya. Music was composed by Sanjay Mandloi (Tabla), Dr Rachna Sharma Puranik (Harmonium), Tansen Shrivasav (Tabla). Special guests on the occasion were senior musicians Arun Morone and Satish Khanvalkar. Sanjay Patel conducted the programme.

पं. रविशंकर का मोहनकौंस और पं. कुमार गंधर्व का गांधी मल्हार गाया

कथक में तोड़े, टुकड़े और चक्करदार परण प्रस्तुत की

MUSIC PROGRAMME

सिटी रिपोर्टर . इंदौर

यह जानना बहुत प्रीतिकर था कि हमारे समय के दो महान कलाकारों ने महात्मा गांधी पर राग रचे। पंडित कुमार गंधर्व ने राग गांधी मल्हार रचा और पंडित रविशंकर ने मोहनकौंस। गांधीजी की 150वीं जयंती पर किए गए एक संगीत ... ने प्रस्तुत किया। अकादमी के स्टूडेंट्स ने कुछ भजनों की प्रस्तुति दी जिसमें खासतौर पर मोरी लागी लगन, दीनन दुःख हरण दे और पायोजी मैंने राम रतन धन पायो गीतों को मधुरता से गाया गया। इसके बाद ईश्वर अल्ला तेरो नाम और वैष्णवजन तो तेने कहिए जी पीर पराई जाणे रे बहुत तन्मयता और कारुणिकता के साथ गाया गया। इसके बाद पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर ...

पत्रिका PLUS CITYLIVE INDORE, MONDAY 30/09/2019 21

संगीत और नृत्य के जरिए दी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

मोरे चरखे का टूटे ना तार चरखवा चालू रहे...

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

ANCHOR

स्वर सेतु में जापानी सितार वादक केनजी इनाव की प्रभावी प्रस्तुति

भारतीय-जापानी लोक संगीत से बनाई धुन से किया चमत्कृत

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ जापान के कलाकार के हाथ में हिन्दुस्तानी साज को देखना ही श्रोताओं के लिए कौतुहल का विषय था, लेकिन जब उन्होंने सितार के तारों पर हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की रागदारी छेड़ी तो श्रोता उसके सम्मोहन में बंधते चले गए। यह जिक्र है रविवार शाम प्रेस क्लब के सभागृह में शारदा संगीत कला अकादमी की ओर से आयोजित कार्यक्रम स्वर सेतु का। इसमें जापान के सितारवादक केनजी इनाव ने प्रस्तुति दी। उनसे पूर्व अकादमी की संस्थापक आभा और विभा चौरसिया ने शास्त्रीय गायन पेश किया।

घरवा नहीं आए मोरे पिया...

केनजी इनाव के वादन से पहले आभा और विभा चौरसिया ने राग मारू बिहाग गाया। इसमें पहले विलंबित एकताल में बंदिश गाई, घरवा नहीं आए मोरे पिया...। इसके बाद द्रुत तीन ताल में बंदिश गाई कल नाहीं आए निसदिन...। अंत में कबीर की रचना पेश की, झीनी-झीनी बीनी चदरिया...। दोनों ने बहुत ही सधे स्वरों में गायन किया। युगल गायन में दोनों का तालमेल भी अच्छा था। उनके साथ हारमोनियम पर थी रचना शर्मा और तबले पर संगत की संजय मंडलोई ने।

केनजी इनाव ने इस शाम के लिए राग झिंझोटी चुना। इस राग में आलाप, जोड़ और झाला बजाते हुए विलंबित लय में एक गत बजाई। एक द्रुत लय की गत के बाद उन्होंने भारतीय लोक संगीत और जापानी लोक संगीत का मिश्रण करते हुए एक धुन बजाई। केनजी इनाव ने सितार को तंत्रकारी और गायकी अंग से बजाते हुए अपनी तालीम और तैयारी का पता दे दिया। उनके वादन में मींड, गमक आदि को महसूस कर रहे श्रोताओं को देश के ख्यात सितार वादक शाहिद परवेज और शुजात खान की याद आ गई। अंत में उन्होंने जो धुन बजाई उसके लिए बताया, इसमें जो जापानी धुन ली है वह हिन्दुस्तानी संगीत के राग गुणकली के करीब है। केनजी के वादन को ज्यादा प्रभावी बनाया तबले पर संगत कर रहे दिल्ली के तानसेन श्रीवास्तव ने। बीच-बीच में सितार और तबले के बीच सवाल-जवाब भी हुए।

INTERVIEW...

गुरु की बात समझने के लिए सीखी बांग्ला

केनजी इनाव 1986 से पहले गिटार बजाया करते थे। एक दिन जब बीटल ग्रुप में पंडित रविशंकर का सितार सुना तो इस साज से लगाव हो गया। जापान में भारत के सितार वादक शशांक बैनर्जी आए तो उनसे सितार सिखाने का आग्रह किया। बैनर्जी ने कहा, आप कोलकाता आकर मेरे पिता पं. द्विजेंद्र मोहन बैनर्जी से सीखो और फिर 1987 में कोलकाता आया। भाषा की दिक्कत थी। अपने गुरु की हर बात समझने के लिए मैंने उनकी बांग्ला भी सीख ली।

जापानी वाद्य में विस्तार की गुंजाइश कम

जापान के कानागावा शहर में रहने वाले केनजी ने कहा, अब महसूस होता है कि मेरा साज यही है, क्योंकि मन के भावों को इसमें अच्छी तरह व्यक्त किया जा सकता है। सितार की तरह का जो जापानी साज है, उसमें केवल तीन ही तार होते हैं इसलिए उसमें संगीत का विस्तार करने की गुंजाइश कम है। भारतीय शास्त्रीय संगीत की रागदारी मुझे पसंद है। इसमें हर समय और हर मौसम के हिसाब से राग हैं।